एचआर समिट में पीपल, पर्पस और पासिबिलिटीज पर चर्चा

आइआइएम में एचआर समिट 2025 का आयोजन

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायपुर: आइआइएम में दो दिवसीय एचआर समिट का आयोजन आठ व नौ नवंबर को किया गया। इस वर्ष का विषय पीपल, पर्पस एंड पासिबिलिटीज, जिसके केंद्र में भविष्य की कार्यसंस्कृति, नैतिक नेतृत्व संगठन रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुपर्णा टंडन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एनपीएस ट्रस्ट, और विशिष्ट अतिथि के रूप में रजिता सिंह, चीफ पीपल आफिसर, किंड्रिल, उपस्थित रहीं। इस अवसर पर 35 से अधिक प्रतिष्ठित वक्ताओं और एचआर प्रोफेशनल्स ने भाग लिया, जिनमें सिटी, टाटा मोटर्स, ब्रिजस्टोन इंडिया, एक्सेंचर, पेयू, बीपीसीएल, एस्टर डीएम हेल्थकेयर व मोजेक वेलनेस कंपनियों के अधिकारी शामिल थे। आइआइएम रायपुर के डायरेक्टर-इन-चार्ज प्रो. संजीव पराशर ने कहा कि काम का भविष्य ऐसे नेताओं की मांग करता है जो विवेक-करुणा से नेतृत्व करें।

अतिथि के साथ दीप प्रज्ज्वलितकरते हुए आइआइएम के निदेशक। ● आइआइएम

बदलावों के दौर में मानव मूल्य ही प्रगति की नींव : मुख्य अतिथि सुपर्णा टंडन ने कहा कि तकनीकी बदलावों के दौर में भी मानव मूल्य ही प्रगति की नींव हैं। नैतिकता और सहानुभूति के बिना कोई भी संगठन स्थायी नहीं हो सकता। समापन में विशिष्ट अतिथि रजिता ने कहा कि एचआर अब केवल सपोर्ट फंक्शन नहीं, बल्कि नवाचार और परिवर्तन का रणनीतिक प्रेरक बन चुका है।

छह पैनलों पर हुई चर्चा

सम्मेलन के दौरान छह पैनल चर्चाएं हुईं, जिनमें एजाइल और एथिकल लीडरशिप, एआइ के दौर में टैलेंट मैनेजमेंट, सस्टेनेबल एचआर और पीपल स्ट्रैटेजी से वित्तीय प्रदर्शन के जुड़ाव जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि भविष्य के संगठनों के लिए मानव-केंद्रित, नैतिक और तकनीकी रूप से सशक्त नेतृत्व ही सफलता का आधार बनेगा।

Naidunia, 10 November, 2025, P. 02